मई में पूरा होगा अंडरग्राउंड मेट्रो का इंटिग्रेटेड ट्रायल रन

दूसरे फेज के रेक की भी चल रही जांच, जल्द होगा अगला ट्रायल

Pankaj.Pandey@Timesgroup.com

■ **मुंबई :** 2023 के अंत से चल रहा मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो का ट्रायल रन अंतिम चरण के क़रीब पहुंच गया है। मुंबई मेट्रोरेल कॉर्पोरेशन (एमएसआरसी) के अनुसार, मई के अंत तक इंटिग्रेटेड ट्रायल रन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इंटिग्रेटेड ट्रायल की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतरराष्ट्रीय दर्जे की स्वतंत्रसंस्थान के माध्यम से मेट्रो लाइन और उपकरणों की जांच कराई जाएगी। इंडिपेंडेंट सेफ्टी असेसमेंट (आईएसए) सर्टिफिकेट प्राप्त किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय संस्थान द्वारा प्राप्त सर्टिफिकेट को मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएसआरएस) को भेजा जाएगा। सीएसआरएसकी जांच के बाद मेट्रो के दरवाज़े आम यात्रियों के लिए खोल दिए जाएंगे। यह सभी अनिवार्य प्रक्रिया पूरा करने में क़रीब दो से ढाई महीने का समय लग सकता है। मेट्रो-3 कॉरिडोर के पहले फेज के तहत मौजूदा समय में आरे से बीकेसी की बीच मेट्रो का ट्रायल रन चल रहा है। इस दौरान मेट्रो को 95 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ा कर उसके सभी उपकरणों की जांच हो रही है। मेट्रो दौड़ाने के साथ ही सिग्नलिंग सिस्टम, टेलिकम्युनिकेशन, प्लैटफॉर्म स्क्रीन डोर और ट्रैक के टेस्टिंग का भी काम चल रहा है।

Kaushik Naik

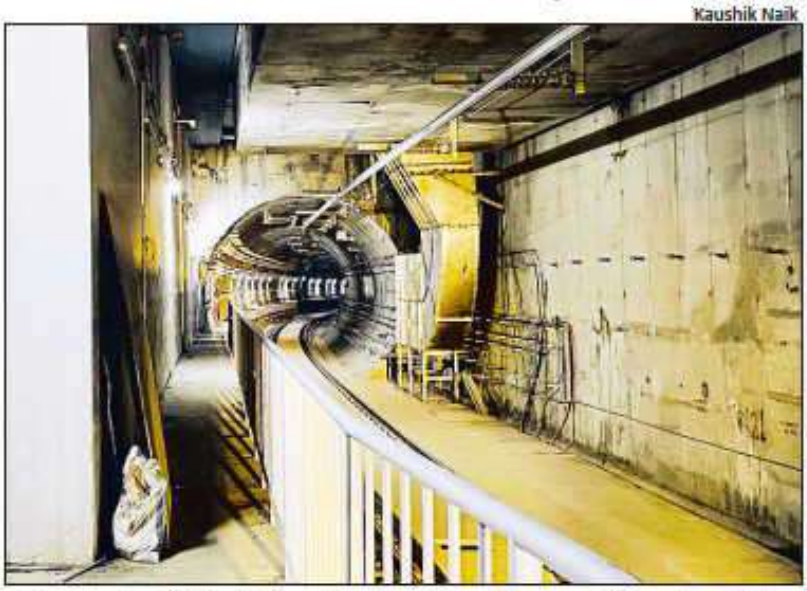

अंडरग्राउंड मेट्रो को दौड़ाने का काम काफी रफ्तार से चल रहा है। अगले महीने के आखिर तक इसका इंटिग्रेटेड ट्रायल रन पूरा किए जाने का दावा एमएसआरसी ने किया है।

NBT Lens

समझिए खबरों के अंदर की बात

क्यों अहम है उपकरणों की जांच?

एमएसआरसी द्वारा स्वतंत्र एजेंसी को जांच के लिए बुलाने से पहले ख़ुद कई ऐंगल से पड़ताल की जाती है। क्योंकि, अपनी ओर से फुलप्रूफ संतुष्टि होने के बाद ही स्वतंत्र एजेंसी को जांच के लिए बुलाया जाता है। सीएसआरएस को अंतिम चरण की जांच के लिए बुलाने से पहले मेट्रो रेल कॉरिडोर के मार्ग में लगे सिग्नलिंग सिस्टम की जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराना अनिवार्य होता है। थर्ड पार्टी द्वारा जांच करने से पहले एमएसआरसी को खुद पूरे सिस्टम की जांच करनी होती है। बाहरी संस्था उपकरणो के दोबारा जांच का काम करती है, ताकि सेवा शुरू करने से पहले सभी ख़ामियां दूर की जा सकें। इस दौरान ट्रेन को लो और हाई स्पीड में दौड़ा कर सभी उपकरणों की जांच की जाती है।

हेवी वेट ट्रायल रनः

इंटिग्रेटेड ट्रायल रन के दौरान अब तक ख़ाली ट्रेन को दौड़ा कर उसकी जांच हो रही है। मेट्रो प्रशासन द्वारा जल्द ही अगले चरण का ट्रायल रन शुरू किया जाएगा। इसके तहत ट्रेन में भारी सामान रख कर ट्रेन को दौड़ाया जाएगा। इस टेस्ट के दौरान ट्रेन की क्षमता की जांच होगी। एक अधिकारी के अनुसार, हेवी वेट ट्रायल रन प्रक्रिया शुरू करने के सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। जल्द ही यह टेस्ट शुरू होगा।

दूसरे फेज की 11 रेक पहुंचीः

आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने की तैयारी के साथ ही एमएसआरसी ने दूसरे फेज की भी तैयारी शुरू कर दी है। पहले फेज में 9 ट्रेन के साथ सेवा शुरू होगी, सभी 9 ट्रेन की जांच का काम पूरा कर लिया गया है। एमएसआरसी के अनुसार, दूसरे फेज में मेट्रो सेवा शुरू करने के लिए मेट्रो की अतिरिक्त 11 ट्रेन मुंबई पहुंच चुकी हैं। अतिरिक्त 11 ट्रेन की टेस्टिंग का भी काम शुरू कर दिया गया है।